Bharat Temples

खुले हैं किवाड़ मढ़िया के

खुले हैं किवाड़ मढ़िया के,

गौरव शाली वैभव शाली मां को करो प्रणाम,
मां को करो प्रणाम ,
जगजननी के चरण कमल में रहते चारो धाम
रहते चारो धाम
चरण पखार , मइया के ॥

ऊंचे पर्वत बनो देवाला मइया आन विराजी
मइया आन विराजी ।
जगमग जोत जली है द्वारे पर नौबत बाजे
द्वारे पर नौबत बाजे ।
आरती उतार, मइया के ॥
खुले हैं किवाड़ , मढ़िया के ॥

Source: https://www.bharattemples.com/khule-hai-kiwad-madiya-ke/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw